कक्षा चार

हिंदी (द्वितीय भाषा)

पाठ्यक्रम

शैक्षणिक स्तर : 2025-26

विशेष :

इस स्तर पर भाषा शिक्षण का यह उद्देश्य होना चाहिए कि बालक को प्राइमरी के पाँचवें वर्ष के अंत तक हिंदी (द्वितीय भाषा) की पढ़ाई द्रुत-गति से प्राप्त करने की प्रेरणा दी जाए तथा अपने आप को अभिव्यक्त करने का शुभ अवसर प्रदान किया जाए इस उद्देश्य की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना आवश्यक है:

मौखिक अभिव्यक्ति:

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- हिंदी की सभी ध्वनियों की चित्र देखकर पहचान कर सके।
- हिंदी की मिलती-जुलती ध्वनियों की पहचान कर सके।
- हिंदी और पंजाबी की ध्वनियों की पहचान कर सके।
- हिंदी और पंजाबी की ध्वनियों की समानता और विभिन्नता की पहचान कर सके।
- हिंदी की मात्राओं की तुलना पंजाबी की मात्राओं के साथ कर सके।
- पंजाबी में प्रयोग होने वाली बिंदी और टिप्पी के स्थान पर हिंदी में अनुस्वार और अनुनासिक का प्रयोग कर सके।
- हिंदी में दिए गए मौखिक निर्देशों को समझ सके।
- अपने परिवेश / पर्यावरण की जानकारी प्राप्त कर सके।
- घर और समाज में विचरते हुए नैतिक मूल्यों जैसे: प्रेम, सहानुभूति, आदर, परिश्रम आदि की पहचान कर सके।
- चित्र देखकर उस पर बात कर सके।
- समूह में अथवा व्यक्तिगत रूप से हाव-भाव, उचित आरोह-अवरोह के साथ कविता का उच्चारण सके।

पढ़ना:

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- चित्र देखकर हिंदी वर्णमाला पढ़ सके।
- निर्धारित पाठ्य-पुस्तक में दर्ज शब्दों और वाक्यों को स्पष्ट रूप से पढ़ सके।
- अपने परिवेश से नए शब्द पढ़ सके।

लिखना:

विद्यार्थी में ऐसी योग्यताओं का विस्तार करना जिससे वह:-

- देवनागरी लिपि के चिह्नों के सही रूप व आकार की जानकारी प्राप्त कर सके।
- हिंदी पंजाबी शब्दों की समानता एवं भिन्नता को समझकर हिंदी शब्दों को लिख सके।
- गुरुमुखी लिपि में दिए गए वाक्यों को देवनागरी लिपि में लिख सके।
- सरल शब्दों एवं संक्षिप्त वाक्यों की प्रतिलिपि और श्रुतलेख लिख सके।
- बहुत छोटे-छोटे वाक्य बना सके।
- दिए गए शब्दों का प्रयोग करते हुए कुछ वाक्य / गद्यांश पूरा कर सके।

पाठ्य पुस्तक : हिंदी पुस्तक-4 (पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा प्रकाशित)